CORPORATE OFFICE
Delhi Office
706 Ground Floor Dr. Mukherjee Nagar Near Batra Cinema Delhi – 110009
Noida Office
Basement C-32 Noida Sector-2 Uttar Pradesh 201301

CURRENT AFFAIRS

Yojna IAS
yojnaias.com
योजना है तो सफलता है
website : www.yojnaias.com
Contact No. : +91 8595390705

Date : 12 जून 2023

सागर समृद्धि

संदर्भ-

- हाल ही में, केंद्रीय पत्तन,पोत परिवहन और जलमार्ग (एमओपीएसडब्ल्यू) मंत्रालय की 'अपशिष्ट से संपदा' पहल में तेजी लाने के लिए 'सागर समृद्धि' – ऑनलाइन ड्रेजिंग निगरानी प्रणाली- का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिन्दु-

- इस प्रणाली का विकास पत्तन,पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की तकनीकी शाखा राष्ट्रीय बंदरगाह जलमार्ग एवं तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) द्वारा किया गया है।
- नई प्रौद्योगिकी से ड्राफ्ट एंड लोडिंग मॉनिटर (डीएलएम) प्रणाली की पुरानी प्रणाली के मुकाबले उल्लेखनीय सुधार आएगी ।
- यह प्रणाली कई इनपुट रिपोर्ट जैसे दैनिक ड्रेजिंग रिपोर्ट, ड्रेजिंग से पहले और बाद के सर्वेक्षण डेटा को प्रसंस्कृत करने और रीयल टाइम ड्रेजिंग रिपोर्ट तैयार करने के बीच समन्वय लाएगी।
- 'सागर समृद्धि' निगरानी प्रणाली दैनिक और मासिक प्रगति विज़ुअलाइज़ेशन,ड्रेजर निष्पादन और डाउनटाइम निगरानी, लोडिंग, अनलोडिंग और निष्क्रिय समय के स्नैपशॉट के साथ इजी लोकेशन ट्रैक डेटा में भी सक्षम बनाएगी।
- यह प्रणाली पीएम श्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के विजन को भी सुदृढ़ करती है।

महत्व-

- प्रणाली की निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी को लागू करना अनिवार्य है जिससे कि मानवीय त्रुटि को न्यूनतम बनाया जा सके।
- अब से प्रमुख बंदरगाह ऑनलाइन ड्रेजिंग निगरानी प्रणाली का उपयोग करने में सक्षम होंगे और परियोजना के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण बदलाव तथा ड्रेज्ड सामग्री के उपयोग के माध्यम से ड्रेजिंग की लागत में कमी ला सकेंगे।
- इससे पर्यावरण की निर्वहनीयता में सहायता मिलेगी और बंदरगाहों की परिचालनगत लागत में कमी आएगी, जिससे अधिक पारदर्शिता और दक्षता आएगी।

सागर समृद्धि की क्षमताओं में शामिल हैं:-

- वास्तविक समय ड्रेजिंग प्रगति रिपोर्ट
- दैनिक और मासिक प्रगति विज़ुअलाइज़ेशन
- ड्रेजर निष्पादन और डाउनटाइम निगरानी
- लोडिंग, अनलोडिंग और निष्क्रिय समय के स्नैपशॉट के साथ इजी लोकेशन ट्रैक डेटा

राष्ट्रीय बंदरगाह जलमार्ग एवं तट प्रौद्योगिकी केंद्र (NTCPWC)

- एनटीसीपीडब्ल्यूसीकी स्थापना पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला कार्यक्रम के तहत आईआईटी मद्रास में कुल 77 करोड़ रुपये के निवेश के साथ की गई थी,
- जिसका उद्घाटन24 अप्रैल 2023 को किया गया था।

- इस उद्देश्य देश में एक मजबूत समुद्री उद्योग के निर्माण के अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में समाधान निकालने में सक्षम बनाते हुए समुद्री क्षेत्र के लिए अनुसंधान और विकास को सक्षम करना है।
- इस अत्याधुनिक केंद्र में सभी विषयों में बंदरगाह तटीय और जलमार्ग क्षेत्र के लिए अनुसंधान और परामर्श प्रकृति की 2डी और 3डी जांच आरंभ करने के लिए विश्व स्तरीय क्षमताएं हैं।

Rajiv Pandey

हर घर जल कार्यक्रम

पाठ्यक्रम: जीएस 2 / सरकारी योजनाएं

संदर्भ –

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में 'हर घर जल' कार्यक्रम के लाभों पर प्रकाश डालते हुए एक रिपोर्ट जारी की।

'हर घर जल' कार्यक्रम:-

- जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल जीवन मिशन द्वारा कार्यान्वित हर घर जल कार्यक्रम की घोषणा 15 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री द्वारा की गई थी।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नलों के माध्यम से सुरक्षित पेयजल की पर्याप्त, वहनीय और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य:-

- राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को जलापूर्ति के बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिये ताकि वर्ष 2024 तक **प्रत्येक ग्रामीण परिवार में कार्यात्मक नल कनेक्शन (FHTC)** हो और नियमित आधार पर पर्याप्त मात्रा में निर्धारित गुणवत्ता में जल उपलब्ध हो।
- स्कूलों, आँगनबाडी केंद्रों, ग्राम पंचायत भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों, आरोग्य केंद्रों और सामुदायिक भवनों को कार्यात्मक नल कनेक्शन प्रदान करना।
- नल कनेक्शन की कार्यक्षमता की निगरानी करना।

महत्व:-

कार्यक्रम के घटक निम्नलिखित सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) संकेतकों के साथ संरेखित हैं।

- **6वां सतत विकास लक्ष्य:** SDG के 17 लक्ष्यों में 6वां सतत विकास लक्ष्य (SDG-6 या वैश्विक लक्ष्य-6) सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता से संबंधित है।
- आधिकारिक शब्द के तहत कहा गया है कि सभी के लिए जल और स्वच्छता की उपलब्धता और सतत प्रबंधन सुनिश्चित करे।
- **सतत विकास लक्ष्य 9.2:** असुरक्षित जल, स्वच्छता और स्वच्छता के कारण मृत्यु दर।

कार्यक्रम के तहत उपलब्धियां-

- 5 राज्यों गुजरात, तेलंगाना, गोवा, हरियाणा और पंजाब और 3 केंद्र शासित प्रदेशों – अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दमन दीव एवं दादरा नगर हवेली और पुडुचेरी ने शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर ली है।
- मध्य प्रदेश का **बुरहानपुर** जिला देश का पहला 'हर घर जल' प्रमाणित जिला बन गया है।

WHO रिपोर्ट के निष्कर्ष-

- यह विश्लेषण डायरिया से होने वाली बीमारियों पर केंद्रित है क्योंकि पानी से होने वाली बीमारियां इसके लिए बड़ा कारण है।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

- 'हर घर जल' रिपोर्ट **डायरिया रोगों** पर केंद्रित है क्योंकि वे पानी,सफाई और स्वच्छता (WASH) के मुद्दों से संबंधित समग्र रोग के बोझ में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
- रिपोर्ट से पता चलता है कि 2018 में, भारत की कुल आबादी का 36 प्रतिशत, जिसमें 44 प्रतिशत ग्रामीण आबादी शामिल है, के पास अपने परिसर में बेहतर पेयजल स्रोतों तक पहुंच नहीं थी।
- रिपोर्ट से पता चलता है कि 2018 में, भारत की कुल आबादी का 36 प्रतिशत, जिसमें 44 प्रतिशत ग्रामीण आबादी शामिल है, के पास अपने परिसर में बेहतर पेयजल स्रोतों तक पहुंच नहीं थी।
- वर्तमान में लगभग 12.3 करोड़ ग्रामीण परिवारों या 62 फीसदी के पास पाइप से पानी के कनेक्शन हैं, जो 2019 में शुरू होने के समय से 3.2 करोड़ या लगभग 16.6 फीसदी था।
- रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि देश के सभी घरों के लिए सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सुनिश्चित करने से अतिसार रोगों से होने वाली लगभग 400,000 मौतों को रोका जा सकता है।
- इन बीमारियों से संबंधित लगभग 14 मिलियन विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) को रोका जा सकता है।
- अकेले इस उपलब्धि से अनुमानित लागत में $101 बिलियन तक की बचत होगी।
- रिपोर्टनल के पानी के प्रावधान के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के लिए बचाए गए जबरदस्त समय और पयास पर जोर देती है।
- 2018 में, भारत में महिलाओं ने घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए रोजाना औसतन 5 मिनट पानी इकट्ठा करने में खर्च किया।
- कुल मिलाकर, जिन घरों में ऑन-प्रिमाइसेस पानी नहीं है,वे हर दिन पानी इकट्ठा करने में चौंका देने वाले 66.6 मिलियन घंटे खर्च करते हैं, जिनमें से अधिकांश (55.8 मिलियन घंटे) ग्रामीण क्षेत्रों में होते हैं।
- नल के पानी के प्रावधान के माध्यम से सार्वभौमिक कवरेज के परिणामस्वरूप दैनिक जल संग्रह प्रयासों की आवश्यकता को समाप्त करके पर्याप्त बचत होगी।

विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष (DISABILITY ADJUSTED LIFE YEAR -DALY)-

- WHO के अनुसार एक DALY को "स्वस्थ" जीवन का एक खोया वर्ष (Lost Year) माना जाता है। इन DALYs के योग को वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और एक आदर्श स्वास्थ्य स्थिति के बीच अंतर के रूप में माना जाता है।जहां पूरी आबादी बीमारी और विकलांगता से मुक्त एक मानक आयु तक जीवित रहती है।

अतिसार रोग-

- अतिसार या डायरिया को किसी व्यक्ति द्वारा बार-बार उल्टी और दस्त करने (या व्यक्ति द्वारा सामान्य से अधिक दस्त करने), जिससे डिहाइड्रेशन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, के रूप में परिभाषित किया गया है ।
- डायरिया से उत्पन्न सबसे गंभीर खतरा निर्जलीकरण है।
- डायरिया रोग के दौरान तरल मल, उल्टी, पसीना, मूत्र और श्वास के माध्यम से पानी एवंइलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, क्लोराइड, पोटेशियम तथा बाइकार्बोनेट) की कमी हो जाती है।

समस्या-

- डायरिया रोग 5 साल से कम उम्र के बच्चों में मौत का दूसरा प्रमुख कारण है।
- हर साल दस्त से 5 साल से कम उम्र के लगभग 525,000 बच्चे मर जाते हैं।
- वैश्विक स्तर पर, हर साल बचपन मेंदस्त रोग के लगभग 7 बिलियन मामले सामने आते हैं।

कारण:-

- **संक्रमण:**दस्त हैजा और टाइफाइओड़ जैसे जीवाणु संक्रमण, या वायरल और परजीवी जीवों के कारण हो सकता है**,** जिनमें से अधिकांश मल-दूषित पानी से फैलते हैं।
- **दूषित भोजन और पानी:**मानव मल के साथ संदूषण, उदाहरण के लिये, सीवेज, सेप्टिक टैंक और शौचालय, विशेष चिंता का विषय है। पशु मल में सूक्ष्मजीव भी होते हैं जो दस्त का कारण बन सकते हैं।

अतिसार कितने प्रकार की होती है?

- एक्यूट वाटरी डायरिया – कई घंटों या दिनों तक रहता है, और इसमें हैज़ा शामिल है।
- एक्यूट ब्लडी डायरिया – जिसे पेचिश भी कहा जाता है।
- परसिस्टेंट डायरिया – 14 दिनों या उससे अधिक समय तक रहता है।

रोकथाम:-

- सुरक्षित पेयजल, बेहतर स्वच्छता और साबुन से हाथ धोने से बीमारी का खतरा कम हो सकता है।

उपचार:

- दस्त का इलाज मौखिक पुनर्जलीकरण समाधान (ओआरएस), स्वच्छ पानी, चीनी और नमक के घोल के साथ किया जाना चाहिए। इसके अलावा, जिंक की गोलियां और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन दस्त की अवधि को कम करता है और परिणामों में सुधार करता है।

स्रोत: TH

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com